

# Let Your Light So Shine Before Men

## दीपक

तेरा वचन मेरे पांव के लिये दीपक, और मेरे मार्ग के लिये  
उजियाला है। भजन संहिता 119:105

### बाइबल अध्ययन (Bible Reading)

अब्राहम लिंकन ने कहा, “इस पुस्तक (बाइबल) को किस लिए पढ़ें, इसको पढ़ने का कारण है कि आप सच्चाई को जानकर विश्वास कर सकते हैं, और आप एक अच्छे व्यक्ति के रूप में जीवित रहेंगे और एक अच्छे व्यक्ति के रूप में मरेंगे।”

हम जानते हैं कि यदि हम बाइबल को पढ़ते हैं और उसमें लिखी हुयी आज्ञाओं को मानते हैं तो हम न केवल एक अच्छे व्यक्ति के रूप में मरेंगे बल्कि सदा सर्वदा जीवित रहने के लिए पुनः जी उठेंगे। प्रभु यीशु मसीह ने कहा, “जो बातें मैंने तुमसे कही हैं वे आत्मा हैं, और जीवन भी है।”

जैसे ही नया साल आता है तो हम बाइबल को, उत्पत्ति, भजनसंहिता और मत्ति की पुस्तकों से, पढ़ना प्रारम्भ करते हैं। यह बड़े दुख की बात है कि बहुत थोड़े लोग प्रतिदिन बाइबल पढ़ते हैं। परमेश्वर के विचारों को पढ़े बिना हम किस प्रकार परमेश्वर के विषय में सोच सकते हैं? स्वभाविक रूप से यदि हम देखें तो किसी लेखक के विषय में जानने के लिए हम उसके द्वारा लिखी गयी पुस्तकों को या उसके लेखों को पढ़ते हैं। जिन लोगों ने शेक्सपियर पर अध्ययन किया है उन्हें निश्चित रूप से यह लगता है कि वे उनसे और उनके विचारों से परिचित हैं; ऐसा अन्य दूसरे लेखकों के

विषय में भी लगता है, जो अपना कार्य पीछे छोड़ गये हैं। किसी मानवीय लेखक को जानने के लिए यह अच्छा हो सकता है लेकिन परमेश्वर को उसके वचन (बाईबल) के द्वारा जानने का यह तरीका नहीं है। वास्तव में यदि हम परमेश्वर की पुस्तक (बाईबल) को नियमित रूप से न पढ़ें, प्रार्थना न करें और हमारे प्रति उसकी दया और अच्छाई पर मनन न करें तो उसकी सबसे पहली आज्ञा, अपने परमेश्वर प्रभु से अपने सम्पूर्ण मन, आत्मा और बुद्धि से प्रेम करना, का पालन करना बिल्कुल असम्भव है। यूहन्ना द्वारा अपने भाई से घृणा या प्रेम के विषय में कही गयी बात को याद करें? यूहन्ना के प्रश्न का अन्तिम भाग इस प्रकार है, “वह परमेश्वर से भी जिसे उसने नहीं देखा, प्रेम नहीं रख सकता।” हम कैसे परमेश्वर से प्रेम रख सकते हैं? किसी अनजाने से प्रेम करना असम्भव है। हम ऐसे व्यक्ति से प्रेम नहीं कर सकते जिसे हमने कभी देखा ना हो, सुना ना हो और न ही बातों की हो। हम केवल उन्हीं लोगों से प्रेम कर सकते हैं जिनसे हम परिचित होते हैं। स्वाभाविक रूप से प्रेम प्रायः व्यक्तिगत सम्पर्क के द्वारा होता

जाता है। बहुत से प्रेमी पत्र द्वारा और मिलने से पहले ही उनमें प्रेम परमेश्वर को नहीं देखा इसलिए परिचित होकर ही हमारे लिए उससे यदि हम परमेश्वर की पुस्तक में विश्वासयोग्य नहीं है तो हम



हैं लेकिन यह पत्राचार द्वारा भी हो सकती है। पहली बार एक दूसरे को जानते हैं बढ जाता है। क्योंकि हमने उसके वचन (बाईबल) से प्रेम कर पाना सम्भव है। (बाईबल) को प्रतिदिन पढ़ने परमेश्वर से प्रेम भी नहीं रख

सकेगें। यदि हम परमेश्वर की सबसे पहली और मुख्य आज्ञा को ही नहीं मानते तो हम उससे अपने आप को बचाने की आशा कैसे रख सकते हैं? पौलुस एक प्रश्न पूछता है, “फिर जिस पर उन्होंने विश्वास नहीं किया, वे उसका नाम क्योंकर ले?” उसका उत्तर यह है, “सो विश्वास सुनने से, और सुनना मसीह के वचन से होता है।”

यदि हम परमेश्वर से प्रेम रखना चाहते हैं, उसकी आज्ञाओं को मानना चाहते हैं, और उसके द्वारा धार्मिकता का मुकुट पाना चाहते हैं तो परमेश्वर के वचन हमारे दिल और दिमाग में होने चाहिए। बाईबल पढ़ने की उपेक्षा करना परमेश्वर की उपेक्षा करने के समान है। यदि हम बाईबल अध्ययन नहीं करते हैं तो कोई दूसरा कार्य करने से भी हमें कोई लाभ नहीं होगा। आज संसार के लोगों की यही समस्या है। आज हर एक व्यक्ति वही कार्य कर रहा है जो उसके अपने दृष्टिकोण से सही है।

आज लोग इसे “अपना कार्य करना” कहते हैं। “हमारे अपने इन कार्यों” का न्याय के दिन कोई मूल्य नहीं होगा।

2011 के वर्ष में, अपने प्रतिदिन बाईबल पढ़ने की कोशिश करनी चाहिए। यदि जनवरी माह में आपने प्रतिदिन बाईबल अध्ययन नहीं किया तो फरवरी और वर्ष के शेष महिनों में बाईबल पढ़ना ना छोड़े और तुरन्त नियमित बाईबल अध्ययन शुरू करें। नये साल में संकल्प करना और तोड़ना एक मजाक होता है लेकिन परमेश्वर के वचन को पढ़ना कोई मजाक नहीं है चाहे वह नये साल में किया गया संकल्प हो या नहीं। यदि हमारे पास प्रतिदिन परमेश्वर की पुस्तक को पढ़ने का भी समय नहीं है तो यह परमेश्वर की प्रति हमारे प्रेम को दर्शाता है कि हम परमेश्वर से कितना प्रेम करते हैं? हमारे कार्य हमारी बातों से कहीं अधिक हमारे विषय में बताते हैं।

बाईबल कम्पेनियन (Bible Companion) के द्वारा बाईबल पढ़ना ही केवल एक तरीका नहीं है लेकिन यह एक अच्छा तरीका है। आप चाहे किसी भी प्रकार बाईबल पढ़ें लेकिन इसे प्रतिदिन अवश्य पढ़ें। यदि सम्भव हो तो इसे परिवार के साथ पढ़ें। शायद तिमुथियुस को सम्बोधित करते हुए पौलुस द्वारा लिखे गये ये शब्द हम पर भी लागू होते हैं: “पर तू इन बातों पर जो तूने सीखी हैं और प्रतीति की थी, यह जानकर दृढ़ बना रह; कि तू ने उन्हें किन लोगों से सीखा था? और बालकपन से पवित्रशास्त्र तेरा जाना हुआ है, जो तुझे मसीह पर विश्वास करने से उद्धार प्राप्त करने के लिए बुद्धिमान बना सकता है।”



‘बाईबल अध्ययन’ (Bible Reading) is taken from ‘Minute Meditations’ by Robert J. Lloyd

## प्रभु यीशु मसीह के विषय में पुराने नियम की भविष्यवाणियां (Old Testament Prophecies of Jesus)

पुराने नियम में एक मसीह के विषय में, जो इस्राएल का राजा होगा, बहुत सी भविष्यवाणियां हैं। ये भविष्यवाणियां मसीह के जन्म, उनके पूर्वजों, उनके जीवन और उनकी मृत्यु के विषय में बताती हैं, इसके साथ ही ये उनके एक राजा के रूप में सर्वदा के लिए राज्य करने के विषय में भी बताती हैं। यहां हम पुराने नियम की कुछ ऐसी भविष्यवाणियों को देखेंगे जिनको प्रभु यीशु मसीह ने स्वर्ग

में जाने से पहले पूरा किया। प्रेरित लोगों ने इन भविष्यवाणियों के द्वारा लोगों को यह समझाने का प्रयास किया कि यीशु ही मसीह हैं।

---

## मुख्य पद: भजन सहिता 22

यह भजन दाऊद के द्वारा की गयी उस समय की प्रार्थना थी जब उस पर उसके शत्रुओं द्वारा लगातार आक्रमण हो रहे थे। यह भजन यीशु के क्रूस पर चढाये जाने के समय की परिस्थिति की भविष्यवाणी भी हैं, और सुसमाचारों में भी इसे कई जगहों पर लिखा गया है।

1. नये नियम में कहाँ पर इस भजन को सीधे लिखा गया है?
2. किन पदों में यह भजन क्रूस की घटना के विषय में बताता है, लेकिन इसको सीधे तौर पर नहीं लिखा गया है।
3. क्या कुछ ऐसे पद भी हैं जो यीशु की क्रूस की घटना को नहीं बताते हैं?

## यीशु मसीह के जीवन की भविष्यवाणियां

यीशु मसीह के जीवन की बहुत सी घटनाओं की भविष्यवाणी पुराने नियम में पहले ही कर दी गयी थी। यहाँ ऐसी ही कुछ भविष्यवाणियां दी गयी हैं-

- वे यहूदा के गोत्र से आयेंगे (He would come from the tribe of Judah)  
“जब तक शीलो न आए तब तक न तो यहूदा से राजदण्ड छूटेगा, न उसके वंश से व्यवस्था देने वाला अलग होगा और राज्य राज्य के लोग उसके अधीन हो जायेंगे।” (उत्पत्ति 49:10)

इस भविष्यवाणी के पूरा होने के विषय में लूका 3:33 में लिखा है।

- वे दाऊद के वंश से होंगे (He would be a descendant of David)  
“जब तेरी आयु पूरी हो जायेगी, और तू अपने पुरखाओं के संग सो जाएगा, तब मैं तेरे निज वंश को तेरे पीछे खड़ा करके उसके राज्य को स्थिर करूंगा। मेरे नाम का घर वही बनवाएगा, और मैं उसकी राजगद्दी को सदैव स्थिर रखूंगा।” (2 शमूएल 7:12-13)

इस भविष्यवाणी के पूरा होने के विषय में मत्ति 1:6,16 में लिखा है।

## कुछ सम्बन्धित पद

पहली भविष्यवाणियां: उत्पत्ति 3:15, 49:10; व्यवस्थाविवरण 18:15-19

दाऊद का पुत्र: 2 शमूएल 7:12-16; यशायाह 11:1-2; यहजेकेल 37:24-28; लूका 1:30-33

अब्राहम का पुत्र: उत्पत्ति 22:15-18; गलतियों 3:16

भजन सहिता: 2, 8, 16, 22, 69, 110, 118:22

यशायाह: 7:14; 9:1-2; 6-7; 11; 42; 49; 53; 61

बाद के भविष्यवक्ता: यिर्मयाह 23:5-6; दानियेल 7:9-14, 9; मीका 5:2; जर्कयाह 9:9, 12:10, 14:3-4

- वे कुमारी से पैदा होंगे (He would be born of a virgin)

“इस कारण प्रभु आप ही तुम को एक चिन्ह देगा। सुनो, एक कुमारी गर्भवती होगी और पुत्र जनेगी, और उसका नाम इम्मानूएल रखेगी।” (यशायाह 7:14)  
इस भविष्यवाणी के पूरा होने के विषय में मत्ति 1:18 में लिखा है।

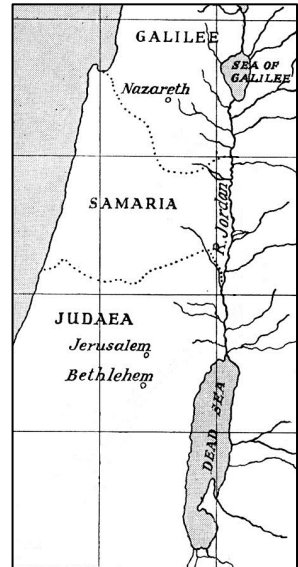
- वे बेटलेहेम में पैदा होंगे (He would be born in Bethlehem)

“हे बेटलेहेम एप्राता, यदि तू ऐसा छोटा है कि यहूदा के हजारों में गिना नहीं जाता, तो भी तुझ में से मेरे लिए एक पुरुष निकलेगा, जो इस्राएलियों में प्रभुता करने वाला होगा; और उसका निकलना प्राचीनकाल से, वरन अनादि काल से होता आया है।” (मीका 5:2)

इस भविष्यवाणी के विषय में हम मत्ति 2:4-6 में पढ़ते हैं।

- वे गलील में रहेंगे (He would live in Galilee)

“तौभी संकट-भरा अन्धकार जाता रहेगा। पहिले तो उसने जबूलून और नप्ताली के देशों का अपमान किया, परन्तु अन्तिम दिनों में ताल की ओर यरदन के पार की अन्यजातियों के गलील को महिमा देगा। जो लोग अन्धियारों में चल रहे थे उन्होंने बड़ा उजियाला देखा; और जो लोग घोर अन्धकार से भरे हुए मृत्यु के देश में रहते थे, उन पर ज्योति चमकी।” (यशायाह 9:1-2)



इस भविष्यवाणी के पूरा होने विषय में मत्ति 4:12-16 में लिखा है।

- उनको त्यागा जायेगा (He would be rejected)

“वह तुच्छ जाना जाता और मनुष्यों का त्यागा हुआ था; वह दुःखी पुरुष था, रोग से उसकी जान पहिचान थी; और लोग उससे मुख फेर लेते थे। वह तुच्छ जाना गया, और हम ने उसका मूल्य न जाना।” (यशायाह 53:3)

इस भविष्यवाणी के पूरा होने के विषय में यूहन्ना 1:11 में लिखा है।

- वे गधे पर सवार होकर यरूशलेम में आयेगें (He would enter Jerusalem riding on a donkey)

“हे सिंयोन बहुत ही मगन हो; हे यरूशलेम जयजयकार कर; क्योंकि तेरा राजा तेरे पास आयेगा; वह धर्मी और उदार पाया हुआ है, वह दीन है, और गदहे पर वरन गदही के बच्चे पर चढा हुआ आएगा।” (जकर्याह 9:9)



इस भविष्यवाणी के पूरा होने के विषय में हम यूहन्ना 12:13-15 में पढते हैं।

### यीशु की और संकेल करने वाली घटनीयाँ

कुछ भविष्यवाणियां हम देखते हैं जो सीधे प्रभु यीशु मसीह के विषय में नहीं की गयी लेकिन बहुत सी ऐसी बातें हम देखते हैं जो उनकी ओर संकेत करती हैं। उदाहरण के लिए देखे तो, फसह के पर्व पर, एक निर्दोष मेम्ने का मारा जाना (निर्गमन 12:3-6)। यह प्रभु यीशु मसीह के बलिदान को प्रदर्शित करता है; क्योंकि प्रभु यीशु मसीह के विषय में भी कहा गया है कि, “यह परमेश्वर का मेम्ना है, जो जगत का पाप उठा ले जाता है।” (यूहन्ना 1:29) कुछ लोग भी प्रभु यीशु मसीह के समान थे। उदाहरण के लिए देखे तो, अब्राहम को कहा गया कि वह अपने इकलौते पुत्र इसहाक को, यरूशलेम के निकट स्थित मोरिय्याह पहाड़ पर बलि करे, यह ठीक वैसा ही है जैसे परमेश्वर ने अपने पुत्र को यरूशलेम के निकट बलि करने के लिए दिया। आपके अनुसार बाईबल में और कौन से अन्य लोग हैं जो मसीह के समान हैं?

- उनको सताया जायेगा (He would be executed)

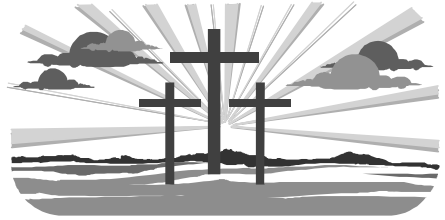
“वह सताया गया, तौभी वह सहता रहा और अपना मुंह न खोला; जिस

प्रकार भेड बध होने के समय वा भेडी ऊन कतरने के समय चुपचाप शान्त रहती हैं, वैसे ही उसने भी अपना मुंह न खोला। अत्याचार करके और दोष लगाकर वे उसे ले गये; उस समय के लोगो में से किस ने इस पर ध्यान दिया कि वह जीवतों के बीच में से उठा लिया गया? मेरे ही लोगों के अपराधों के कारण उस पर मार पडी।” (यशायाह 53:7-8)

इस भविष्यवाणी के पूरा होने के विषय में मत्ति 27:12-14 में लिखा हैं।

- उनको क्रूस पर चढाया जायेगा (He would be crucified)

“क्योंकि कुत्तों ने मुझे घेर लिया हैं; कुकर्मियों की मण्डली मेरे चारों ओर मुझे घेरे हुए हैं; वह मेरे हाथ और मेरे पैर छेदते हैं।” (भजन 22:16)



इस भविष्यवाणी के पूरा होने के विषय में मत्ति 27:38 में लिखा हैं।

- लोग उनके कपडों पर चिढ़ी डालेंगे (People would cast lots for his clothes)

“वे मेरे वस्त्र आपस में बांटते हैं, और मेरे पहिरावे पर चिढ़ी डालते हैं।” (भजन 22:18)

इस भविष्यवाणी के पूरा होने के विषय में यूहन्ना 19:23-24 में लिखा हैं।

- वे मृतकों में से जी उठेंगे (He would be raised from the dead)

“... क्योंकि तू मेरे प्राण को अधोलोक में न छोडेगा, न अपने पवित्र भक्त को सडने देगा।” (भजन 16:10)

इस भविष्यवाणी के पूरा होने के विषय में मत्ति 28:5-9 में लिखा हैं।

इसके अतिरिक्त और भी बहुत सी भविष्यवाणियां हम बाईबल में खोजकर पढ सकते हैं।

## विचारणीय पद

1. मत्ति 1:18-3:3 को पढिए। सभी भविष्यवाणियों की सूचि बनाइये और प्रत्येक को पढिए। यदि आप प्रभु यीशु मसीह के जन्म के समय में रह रहे होते तो इनमें से कितनी भविष्यवाणियों से आप पहले से परिचित होते? क्या मत्ति ने पुराने

नियम की व्याख्या ठीक प्रकार से की है?

2. यशायाह पुस्तक के 53 अध्याय में प्रभु यीशु मसीह के सताव और मृत्यु की प्रसिद्ध भविष्यवाणी हैं। जबकि यहूदी लोग इस भविष्यवाणी की व्याख्या इस्राएल राष्ट्र के लिए करते हैं। यहूदियों के इस दावे के विषय में आपका क्या उत्तर है?

## अन्य पद

1. प्रेरितों के काम 2,3 और 13 अध्यायों में पौलुस और पतरस के भाषणों को पढ़िये और पुराने नियम की उन भविष्यवाणियों की सूची बनाइये जिनका प्रयोग इन लोगों ने यह सिद्ध करने के लिए किया कि प्रभु यीशु ही मसीह थे।
2. दानिय्येल 9:25-27 में दी गयी एक भविष्यवाणी, नये नियम में वर्णित नहीं है। इसमें वर्णन है कि यरूशलेम के फिर बसाने की आज्ञा के निकलने के 69 सप्ताहों के बाद मसीह (अभिषिक्त पुरुष) काटा जाएगा। सप्ताह का प्रत्येक दिन एक वर्ष के बराबर है। इसलिए 69 सप्ताहों का अर्थ है कि  $69 \times 7 = 483$  वर्ष। यह आज्ञा कब निकली और बताये गये निश्चित समय पर यह भविष्यवाणी कैसे पूरी हुयी?
3. नये नियम में प्रभु यीशु मसीह के विषय में कुछ भविष्यवाणियां हैं जिनका पुराने नियम में मिलना कठिन है। मत्ति 2:23 को पढ़िये। “नासरी” के विषय में की गयी भविष्यवाणी बाईबल में कहाँ है? लूका 24:45-47 को पढ़िये। प्रभु यीशु मसीह तीसरे दिन मृतकों में से जी उठेंगे, यह भविष्यवाणी बाईबल में कहाँ है?

‘प्रभु यीशु मसीह के विषय में पुराने नियम की भविष्यवाणियां’ (Old Testament Prophecies of Jesus) is from  
‘The Way of Life’ by Rob J. Hyndman

कृपया निःशुल्क हिन्दी पुस्तिका “सम्पूर्ण बाईबिल को सुचारु रूप से पढ़ने का एक असान उपाय” और हिन्दी बाईबिल पत्राचार पाठयक्रम हेतु हमारे निम्न पते पर सम्पर्क करें --

दि क्रिस्टडेलफियन

पो. बा. न. – 10, मुजफ्फरनगर (यूपी) – 251002

ई-मेल - cdelph\_mzn@yahoo.in

केवल व्यक्तिगत वितरण हेतु